23.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया शुक्रवार को राजधानी में अधिकतम तापमान। यह सामान्य से चार डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 7.6 डिग्री सेल्सियस रहा। अभी तीन-चार दिन ठंड से राहत बरकरार रहेगी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 4 जनवरी 2020

विद्यार्थियों को भी नहीं देना होगा बस का किराया : मुख्यमंत्री

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ टाउन हॉल मीटिंग के दौरान सीएम ने विकास योजनाओं के बारे में बताया

दिल्ली में महिलाओं की तरह विद्यार्थियों के लिए भी बसों का किराया फ्री कर दिया जाएगा। चुनाव जीतने के बाद इस प्रक्रिया पर भी काम होगा। यमुना नदी को स्वच्छ बनाएंगे। चुनाव के बाद यमुना की सफाई के लिए विशेष अभियान चलेगा। आने वाले पांच वर्षों के अंदर आम जनता के साथ खुद यमुना में डुबकी लगाऊंगा। ये बातें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोंडली विधानसभा क्षेत्र के वसुंधरा एंक्लेव स्थित महाराजा अग्रसेन कॉलेज के ऑडिटोरियम में आम आदमी पार्टी द्वारा आयोजित चौथे टाउन हॉल मीटिंग के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि जनता के सामने अपने पांच साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड रखा और जनता से सरकार के पांच साल के काम पर प्रतिक्रिया ली। यहां आम राय से यह भी तय हुआ कि चुनाव के बाद दिल्ली सरकार दिल्ली को विश्व स्तर का शहर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाएंगे। यहां स्थित तीन कूड़ा पहाड़ों को भी साफ करेंगे। इसके अलावा अन्य योजनाएं हैं, जिन पर काम करना है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर सरकार काफी चिंतित हैं। इस पर सरकार, पुलिस और समाज को मिल कर अपनी-अपनी भूमिका अदा करनी होगी। अभी पूरी दिल्ली में 1.5 लाख सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। जहां कैमरे लगे हैं, वहां पर सुधार हुआ है। बसों में मार्शल की नियुक्ति की गई है और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पूरी दिल्ली में स्ट्रीट लाइट लग रही है। अभी लास्ट माइल कनेक्टिविटी करने की जरूरत है। चुनाव बाद इस पर भी काम करेंगे। दिल्ली में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बना रहे हैं। स्पोर्ट्स में अब डिग्री दी जाएगी। अभी तक डिग्री नहीं मिल रही थी।

केजरीवाल के सामने भाजपा का हथियार बनेंगे दुष्यंत

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

दिल्ली के विधानसभा चुनाव में दो-दो हाथ करने को तैयार हरियाणा के राजनेता अपनी पार्टियों की रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। हरियाणा में लोकसभा चुनाव के दौरान अरविंद केजरीवाल की आप और दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी ने मिलकर भाजपा को चुनौती दी थी। लेकिन अब दिल्ली में तस्वीर बदली नजर आएगी। दुष्यंत चौटाला इस बार दिल्ली में भाजपा के पाले में खड़े नजर आएंगे। दरअसल, दिल्ली के रण में जाट चेहरे के रूप में भाजपा दुष्यंत को आगे कर सकती है। हालांकि पार्टी के अंदर इसे लेकर विरोध भी दिखाई दे रहा है।

हरियाणा में भाजपा और जजपा का गठबंधन है। 41 विधायकों वाली भाजपा ने 10 विधायकों वाली जजपा के साथ गठबंधन कर दूसरी बार सरकार बनाई है। इससे पहले जींद उपचुनाव में आप हरियाणा में जजपा का सहयोग कर चुकी है। लोकसभा चुनाव में आप व जजपा का गठबंधन था। जजपा ने सात और आप ने तीन लोकसभा सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ा था। सोनीपत में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रोहतक में उनके बेटे दीपेंद्र सिंह हुड्डा की हार का बड़ा कारण जजपा और आप का गठबंधन ही रहा है।

हरियाणा के विधानसभा चुनाव में आप और जजपा के बीच सहमति नहीं बन सकी थी। इसके बाद आप की हरियाणा इकाई ने 40 सीटों पर फोकस करते हुए चुनाव लड़ा था। इसकी बड़ी वजह यह थी कि अरविंद केजरीवाल का पूरा ध्यान दिल्ली के चुनाव पर था। इस कारण वह हरियाणा के विधानसभा चुनाव पर ज्यादा गौर नहीं कर पाए। वहीं, जजपा ने विरोधी दलों के जीत सकने वाले उम्मीदवारों को टिकट देकर 10 सीटें हासिल कीं और फिर सरकार में भी हिस्सेदार बन गई।

1998 में मिलकर लड़ चुके भाजपा और इनेलो

दिल्ली के चुनाव में भाजपा हरियाणा में अपनी सहयोगी जजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। आउटर दिल्ली की आधा दर्जन सीटों पर जजपा का खासा प्रभाव है। जाट बाहुल चार सीटों पर जजपा किसी भी दल का गणित बिगाड़ने की स्थिति में है। भाजपा व इनेलो 1998 का विधानसभा चुनाव दिल्ली में मिलकर लड़ चुके हैं। उस समय भाजपा ने इनेलो को नजफगढ़, महिपालपुर और बवाना तीन सीटें दी थीं। इनमें बवाना आरक्षित सीट थी। हालांकि इनेलो तीनों सीटों पर हार गई थी। इसके बाद 2008 में नजफगढ़ से इनेलो की टिकट पर भरत सिंह पहली बार विधायक चुने गए थे। दुष्यंत चौटाला को लगता है कि इनेलो का प्रभाव कम होने की वजह से अब आउटर दिल्ली में कई सीटें ऐसी हैं, जहां जजपा अपने दादा ओमप्रकाश चौटाला के प्रभाव का लाभ उठाते हुए नया राजनीतिक समीकरण तैयार कर सकती है।

जाट चेहरे के रूप में भाजपा दुष्यंत को आगे कर सकती है। फाइल

दुष्यंत के हक में नहीं भाजपा का जाट नेतृत्व

हरियाणा में भाजपा के जाट नेता नहीं चाहते कि दुष्यंत चौटाला का राजनीतिक कद बढ़े। भाजपा में जाट नेताओं बीरेंद्र सिंह, ओमप्रकाश धनखड़ और कैप्टन अभिमन्यु की हाईकमान में अच्छी पकड़ है। इन्हें लगता है कि यदि संगठन में दुष्यंत चौटाला एंट्री कर गए तो भविष्य में दिक्कतें हो सकती हैं। हालांकि हरियाणा की गठबंधन सरकार में चार जाट मंत्री हैं, लेकिन भाजपा के जाट नेताओं का मानना है कि सरकार में जाट मंत्रियों का होना अलग बात है और भाजपा का प्रतिनिधित्व करना अलग बात है।

संपत्ति का मिलने लगा मालिकाना हक

सौगात ▶ हरदीप सिंह पुरी ने अनधिकृत कॉलोनियों में रह रहे 20 लोगों को संपत्ति की रजिस्ट्री सौंपी

संपत्ति का पहला पंजीकरण प्रमाण पत्र सूरज पार्क कालोनी की पिंकी शर्मा को दिया गया

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय ने शुक्रवार को दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में संपत्ति का मालिकाना हक देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने प्रमाणपत्र और पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करने वाले 20 लोगों को संपत्ति की रजिस्ट्री सौंप दी है। पुरी ने यह दस्तावेज उपराज्यपाल अनिल बैजल और डीडीए के उपाध्यक्ष तरुण कपूर की मौजूदगी में लाभार्थियों को सौंपे। संपत्ति का पहला पंजीकरण प्रमाण पत्र समयपुर बादली स्थित सूरज पार्क कालोनी की पिंकी शर्मा को दिया गया। केंद्रीय मंत्री पुरी ने बताया कि पहले 20 लाभार्थी सूरज पार्क और राजा विहार कॉलोनी के हैं। इन लोगों ने 18 दिसंबर को संपत्ति के मालिकाना हक के लिए आवेदन किया था। 16 दिसंबर को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई थी। रजिस्ट्री के लिए अब तक 57 हजार आवेदन आ चुके हैं। इनमें जिन आवेदकों के दस्तावेज की जांच और शुल्क भुगतान की प्रक्रिया पूरी होती जाएगी, उन्हें प्रमाण पत्र मिलते जाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि डीडीए ने अनधिकृत कॉलोनियों के भू-उपयोग में परिवर्तन किया है। इसलिए मालिकाना हक का प्रमाणपत्र डीडीए द्वारा दिया जा रहा है और पंजीकरण शुल्क दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को अदा किया जाएगा। इससे मिलने वाले शुल्क की राशि से विशेष विकास कोष बनाया गया है। इससे इन कॉलोनियों में विकास कार्य होंगे। मंत्रालय ने संसद द्वारा अलग से पारित कानून के माध्यम से पीएम उदय योजना के तहत 1731 कॉलोनियों में मालिकाना हक देने को मंजूरी दे दी है।

सूरज पार्क कॉलोनी निवासी पिंकी शर्मा को रजिस्ट्री सौंपते केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी। साथ में उपराज्यपाल अनिल बैजल (दाएं) और केंद्रीय सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा (बाएं)। सौ : पीआइबी

मनोज तिवारी बोले, मुख्यमंत्री रजिस्ट्री रोककर दिखाएं

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा है कि अनधिकृत कॉलोनियों में लोगों को उनके घर का मालिकाना हक देने के मामले में आम आदमी पार्टी लोगों को गुमराह कर रही है। आप सरकार नहीं चाहती है कि लोगों को मालिकाना हक मिले इसलिए वह इस काम में बाधा डाल रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल केंद्र सरकार को लाभार्थियों को रजिस्ट्री कराकर दिखाने की चुनौती दे रहे थे। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अनधिकृत कॉलोनी में रहने वालों को उनके घर की रजिस्ट्री के दस्तावेज सौंप दिए हैं। इससे आप सरकार परेशान हो गई है। यदि हिम्मत है तो मुख्यमंत्री रजिस्ट्री रोककर दिखाएं। आप सरकार ने गरीबों के हित में कोई काम नहीं किया है।

भाजपा ने दिल्ली के 40 लाख लोगों को दिया धोखा : सिसोदिया

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि अनधिकृत कॉलोनी के 20 लोगों को मिले रजिस्ट्री के फर्जी कागज भाजपा की पोल खोल रहे हैं। इसमें दिए गए क्लॉज नंबर 2 में साफ लिखा है कि जमीन पर वर्तमान में मौजूद सारे कानून लागू हैं। यदि यहां किसी भी तरह का निर्माण लैंड यूज बदले बिना होता है, तो उसे गिरा दिया जाएगा। जाहिर है कि कॉलोनियों के नियमितीकरण के बिना कोई भी कागज फर्जी है। ऐसे में यह दिल्ली के 40 लाख लोगों के साथ धोखा है।

पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने अनधिकृत कॉलोनियों को पक्का नहीं किया है और न ही ऐसा करने का कोई इरादा है। यह सिर्फ चुनावी जुमला है। यही वजह है कि रजिस्ट्री के कागज बांटने के बाद भी सारे अधिकार सुरक्षित रखे गए हैं। तथाकथित रजिस्ट्री के कागजों में ही क्लाज 2 में लिखा है कि अनधिकृत कालोनियों में किसी भी तरह के निर्माण पर कार्रवाई के लिए एमसीडी और डीडीए को पूरा अधिकार है। यही नहीं महज 20 लोगों को यह रजिस्ट्री देकर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी इन कॉलोनियों को अधिकृत करने और रजिस्ट्री शुरू किए जाने का दावा कर रहे हैं।

ऐसे में केंद्रीय मंत्री यह भी बताएं कि बचे हुए लोगों को रजिस्ट्री क्यों नहीं दी गई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह सभी जानते हैं कि लैंड यूज बदले बिना खेती की जमीन पर रजिस्ट्री नहीं की जा सकती है। लेकिन केंद्र सरकार खेती की जमीन पर पक्की रजिस्ट्री देने का दावा कर रही है। यह बात अपने आप में फर्जी है।

खेती की जमीन पर कैसे हो सकती है रजिस्ट्री : केजरीवाल

राब्यू, नई दिल्ली : केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री हरदीप पुरी द्वारा अनधिकृत कॉलोनियों में 20 लोगों को रजिस्ट्री दिए जाने पर आप हमलावर हो गई है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि फर्जी रजिस्ट्री मत कीजिए। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से सवाल किया कि बिना लैंड यूज बदले खेती की जमीन पर आप रजिस्ट्री कैसे कर सकते हैं। इसके बाद उन्होंने लिखा कि पहले कॉलोनियां पक्की करने की बात कही। अब कह रहे कि कॉलोनियों को पक्का नहीं करेंगे तो फिर कच्ची कॉलोनियों में पक्की रजिस्ट्री कैसे हो सकती है?

इस गणतंत्र दिवस परेड में नहीं दिखेगी दिल्ली की झांकी

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

▶ धर्मनिरपेक्ष सांस्कृतिक विरासत की थीम पर आधारित झांकी का प्रस्ताव नहीं हुआ स्वीकार

▶ हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तराखंड की झांकियां भी विशेषज्ञ समिति की कसौटी पर खरी नहीं उतरीं

इस बार की गणतंत्र दिवस परेड में देश की राजधानी दिल्ली की झलक नहीं होगी। धर्मनिरपेक्ष सांस्कृतिक विरासत की थीम पर आधारित दिल्ली की झांकी का प्रस्ताव अस्वीकृत कर दिया गया है। बंगाल, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तराखंड की झांकियां भी विशेषज्ञ समिति की कसौटी पर खरी नहीं उतरी। पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ इत्यादि 16 राज्यों की झांकियां शामिल रहेंगी। बता दें रक्षा मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति के पास गणतंत्र दिवस परेड के लिए इस बार कुल 56 झांकियों के प्रस्ताव आए थे। इनमें से 22 झांकियों के प्रस्ताव स्वीकृत हुए हैं। इनमें तीन केंद्रीय मंत्रालयों, तीन सरकारी विभागों और 16 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां शामिल की गई हैं।

दिल्ली सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग ने इस बार दिल्ली की धर्मनिरपेक्ष सांस्कृतिक विरासत पर झांकी तैयार करने का प्रस्ताव भेजा था। इसमें दर्शाया जाना था कि दिल्ली में सभी धर्म-संप्रदायों के लोग आपस में मिल-जुलकर रहते हैं और यहां सभी धर्मों के अनुयायियों के धार्मिक स्थल भी हैं। विशेषज्ञ समिति ने दिल्ली के इस इकलौते प्रस्ताव को चार राउंड तक विचाराधीन रखा, लेकिन उसके बाद अस्वीकृत कर दिया।

आप सरकार में दिल्ली की झांकी को दो बार ही मिला मौका : आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल में दिल्ली की झांकी गणतंत्र दिवस परेड में दो बार शामिल हुई है। 2019 में महात्मा गांधी के 150वें जयंती वर्ष की थीम पर और इससे पहले दिल्ली के मॉडल स्कूलों पर आधारित झांकी को परेड में शामिल किया गया था।

हरियाणा ने भेजे थे पांच प्रस्ताव : इसी तरह से हरियाणा सरकार की ओर से राज्य की झांकी के पांच प्रस्ताव भेजे गए थे। मेरी फसल-मेरा ब्योरा, मेरा परिवार-मेरी पहचान, मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना, अंत्योदय सरल केंद्र एवं महिला सुरक्षा-नारी शक्ति एप। लेकिन विशेषज्ञ समिति ने राज्य सरकार के प्रचार से जुड़े इन सभी प्रस्तावों को रद कर दिया। चंडीगढ़ की झांकी का प्रस्ताव जेलों की थीम पर था, वह भी समिति को पसंद नहीं आया। अलबत्ता, गुरु नानक देव के 550 वें प्रकाशोत्सव की थीम पर आधारित पंजाब की झांकी का प्रस्ताव समिति को भा गया और उसे स्वीकार कर लिया गया।

इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां स्वीकृत : आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश की झांकियों को स्वीकार कर लिया गया है।

न्यूज गैलरी

दिल्ली में लगा देश का पहला स्मॉग टावर

नई दिल्ली : दिल्ली में देश का पहला स्मॉग टावर (एयर प्यूरीफायर) लगाया गया। यह टावर 500-750 वर्ग मीटर क्षेत्र में ढाई लाख से छह लाख क्यूबिक मीटर हवा को साफ करने की क्षमता रखता है। 20 फीट ऊंचा टावर हवा में मौजूद पीएम 2.5 और पीएम 10 के साथ ही अन्य हानिकारक कणों को हटाकर हवा को साफ करेगा। इससे लोग प्रदूषण से बच सकेंगे। टावर दो घंटे के अंदर ही हवा को साफ करके एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स)को 50 से ऊपर नहीं जाने देगा। यह टावर फ्रांस की कंपनी द्वारा बनाया गया है। इसका उद्घाटन भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने किया। (जासं)

हेमंत सोरेन ने की केजरीवाल से मुलाकात

नई दिल्ली : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार शाम दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से उनके निवास पर मुलाकात की। करीब 30 मिनट तक दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री साथ रहे। अलग-अलग विषयों पर उनके बीच बातचीत हुई। दोनों मुख्यमंत्री के बीच चुनावों को लेकर भी चर्चा हुई। (जासं)

'मेरी दिल्ली, मेरा सुझाव' अभियान से भाजपा का चुनाव प्रचार शुरू

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

'मेरी दिल्ली मेरा सुझाव' अभियान के साथ ही भाजपा का दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार शुरू हो गया है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने प्रदेश भाजपा कार्यालय से इस अभियान की शुरुआत की। उन्होंने 49 वीडियो रथ भी रवाना किए। प्रत्येक रथ में वीडियो स्क्रीन लगी हुई है। इसके जरिये केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाई जाएंगी। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार की नाकामी लोगों को बताने की तैयारी है। 15 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के तहत संकल्प पत्र (घोषणापत्र) बनाने के लिए दिल्लीवासियों से सुझाव लिए जाएंगे। लोगों के सुझाव लेने के लिए कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे। इसके साथ ही लोग मिस्ड कॉल करके और ईमेल के जरिये भी सुझाव दे सकते हैं।

ईरानी ने कहा कि दिल्ली के विकास व गरीबों के उत्थान, महिलाओं के सम्मान, बच्चों की शिक्षा और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए लोगों को अपने सुझाव देना चाहिए। वीडियो रथ के साथ ही प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 20 सुझाव पेटी दी जाएंगी, जबकि पूरी दिल्ली में इनकी संख्या 16 सौ रहेगी। इसे लेकर कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे। वहीं लोग 6357171717 नंबर पर मिस्डकॉल करके और ईमेल से भी सुझाव भेज सकते हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि पांच साल पहले दिल्ली के लोगों के सुझाव से फैसले लेने की बात करने वाले अब मुंह छिपाकर ट्विटर-ट्विटर खेल रहे हैं। भाजपा नेता झुग्गियों में जाकर वहां के लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं। अनधिकृत कॉलोनियों में मालिकाना हक देने और 'जहां झुग्गी वहीं मकान' योजना को लेकर आम आदमी पार्टी लोगों में भ्रम फैला रही है।

कार्यक्रम संयोजक व दिल्ली प्रदेश के महामंत्री राजेश भाटिया ने बताया कि इस अभियान के तहत 35 वीडियो रथ विधानसभाओं में और 14 रथ मॉल, विश्वविद्यालय, धार्मिक स्थलों, रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, बस स्टैंड, बाजारों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जाकर लोगों से सुझाव लेंगे। पूर्व महापौर आदेश गुप्ता को कार्यक्रम का सह-संयोजक बनाया गया है।

एसएसपी के गोपनीय पत्र की जांच कर रहे हैं एडीजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उप्र के गौतमबुद्ध नगर के एसएसपी वैभव कृष्ण के शासन को भेजे गए गोपनीय पत्र से पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार को लेकर उठे गंभीर सवालों के बीच आखिरकार शुक्रवार को अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी व डीजीपी ओपी सिंह सामने आए। बुधवार रात एसएसपी वैभव कृष्ण की कथित वीडियो को लेकर की गई प्रेसवार्ता के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम ने लखनऊ तक जो सनसनी फैलाई, उसके करीब 36 घंटे बाद डीजीपी को भी प्रेसवार्ता करनी पड़ी। अपर मुख्य सचिव गृह की मौजूदगी में डीजीपी ने स्वीकार किया कि गोपनीय पत्र भेजा गया था, जिसकी जांच शासन के निर्देश पर एडीजी मेरठ जोन प्रशांत कुमार से कराई जा रही है। 26 दिसंबर को एडीजी के आग्रह पर उन्हें जांच के लिए 15 दिनों का और समय भी दिया गया है। हालांकि यह साफ नहीं किया कि एडीजी को जांच कब सौंपी गई थी। गोपनीय पत्र लीक करने को लेकर वैभव कृष्ण से स्पष्टीकरण भी तलब किया गया है। इसके साथ ही उन पर जल्द कार्रवाई की तलवार भी लटक गई है।

डीजीपी ने कहा कि 23 अगस्त को गौतमबुद्धनगर के थाना बीटा टू में पांच मीडिया कर्मियों के खिलाफ गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी, जो भ्रष्टाचार में लिप्त होने के साथ अधिकारियों को ब्लैकमेल कर रहे थे। इसे लेकर एसएसपी गौतमबुद्धनगर वैभव कृष्ण ने शासन व डीजीपी को संबोधित दो पत्र भेजकर पूरे तथ्यों की जानकारी व कुछ गोपनीय दस्तावेज शासन को भेजे थे। पत्र में राजपत्रित व अराजपत्रित अधिकारियों व कुछ निजी व्यक्तियों पर आरोप हैं।

मुख्यमंत्री सचिवालय से उस शिकायत को गृह विभाग भेजा गया था और गृह विभाग ने पत्र की जांच के लिए उसे डीजीपी मुख्यालय भेजा था। पत्र के सभी तथ्यों की जांच एडीजी मेरठ जोन कर रहे हैं। जांच के लिए एडीजी ने 15 दिनों के अतिरिक्त समय की मांग की थी। डीजीपी का कहना है कि इसी बीच एसएसपी गौतमबुद्धनगर वैभव कृष्ण की कथित वीडियो क्लिप वायरल हुई, जिसे लेकर नोएडा के सेक्टर 20 थाने में एफआइआर दर्ज कराई गई है। मामला संज्ञान में आते ही निष्पक्ष जांच के लिए उसकी विवेचना एसपी हापुड़ संजीव सुमन की निगरानी में कराई जा रही है।

आइजी रेंज मेरठ अलोक सिंह को जांच की क्लोज मानीटरिंग के निर्देश दिए गए हैं। विवेचना में इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रेस्पांस टीम का भी सहयोग लिया जाएगा। गोपनीय पत्र तथा कथित वायरल वीडियो की जांच में साइबर क्राइम के विशेषज्ञों व अन्य एजेंसियों की भी मदद ली जा रही है। डीजीपी ने कहा कि इसी बीच एसएसपी गौतमबुद्धनगर का शासन को भेजा गया गोपनीय पत्र लीक हुआ, जिसे शासन ने गंभीरता से लिया है। आइजी मेरठ रेंज को निर्देश दिया गया है कि वह ऑल इंडिया सर्विस रूल्स के तहत वैभव कृष्ण से स्पष्टीकरण तबल करें कि उन्होंने गोपनीय पत्र क्यों वायरल किया।

पूर्व मुख्यमंत्री के ओएसडी सहित खोले कई के नाम : डीजीपी ओपी सिंह ने कहा कि एसएसपी गौतमबुद्धनगर ने गोपनीय पत्र में कई तथ्यों का जिक्र किया था, जिनके क्रम में सात नवंबर को लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली में उपनिदेशक सूचना की ओर से धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में एफआइआर दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान आरोपित प्रतापगढ़ निवासी अतुल कुमार शुक्ला व कानपुर नगर निवासी अनुभव भल्ला को गिरफ्तार किया गया था। इनके अलावा शकीना, जुहैद, विष्णु कुमार पांडेय व अमित शुक्ला के नाम भी सामने आए थे। आरोपित गलत प्रपत्रों के आधार ठेका लेना चाहते थे। मामले में दो आरोपितों ने अग्रिम जमानत हासिल कर ली थी और दो आरोपित फरार हैं। गोपनीय पत्र के साथ एक आडियो क्लिप में पूर्व मुख्यमंत्री के ओएसडी मनोज भदौरिया का जिक्र भी है। आडियो क्लिप में बिहार सरकार के एक टेंडर को लेकर कमीशन की बातचीत है। कुछ अन्य आडियो क्लिप भी है। ऐसे सभी तथ्यों की गहनता से जांच कराई जा रही है। उनकी प्रमाणिकता को देखा जा रहा है।

डीजीपी ओपी सिंह ने स्वीकार किया कि एसएसपी गौतमबुद्धनगर की गोपनीय रिपोर्ट में अन्य लोगों के साथ पुलिस विभाग के नाम भी संज्ञान में लाए गए हैं, लेकिन डीजीपी आइपीएस अधिकारियों के नाम लेने से कतराते रहे। उन पर लगे आरोपों व भूमिका को लेकर चुप्पी साधे रहे। उल्लेखनीय है कि गोपनीय पत्र में आइपीएस अधिकारी अजयपाल शर्मा, सुधीर सिंह, हिमांशु कुमार, राजीव नारायण मिश्रा व गणेश साहा पर भी गंभीर आरोप हैं।

गौतमबुद्ध नगर प्रकरण

▶ गोपनीय पत्र लीक करने पर वैभव कृष्ण से मांगा गया जवाब

▶ शासन के निर्देश पर एडीजी को सौंपी गई थी जांच

आयोजन

रीता झुनझुनवाला की पेंटिंग और श्रीकांत सोमानी के फोटो से सजी यह प्रदर्शनी बीकानेर हाउस में सात जनवरी तक चलेगी

पेंटिंग और फोटो का संगम बनी 'शून्य ए जर्नी' प्रदर्शनी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

प्रकृति के रंग और तत्वों को फोटो और पेंटिंग के जरिये समेटते हुए उन्हें एक-दूसरे के साथ मिलाकर लगाई गई प्रदर्शनी में हर पेंटिंग और फोटो लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए पर्याप्त हैं। जमीन से लेकर आसमान तक प्रकृति के रंग और प्रकृति के तत्वों को इस तरह से एक-दूसरे का पूरक बनाया गया है कि आंखें पेंटिंग और फोटो से हटने को तैयार नहीं होतीं।

'शून्य ए जर्नी' के नाम से लगाई गई प्रदर्शनी में रीता झुनझुनवाला की पेंटिंग और श्रीकांत सोमानी के फोटो को दिल्ली के पंडारा रोड स्थित बीकानेर हाउस में लगाया गया है। प्रदर्शनी का उद्घाटन शुक्रवार की शाम दीप जलाकर रामकृष्ण मिशन से जुड़े स्वामी शांतात्मानंद और एलएन झुनझुनवाला ने किया।

सात जनवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में सुबह साढ़े दस बजे से लेकर शाम साढ़े छह बजे तक प्रकृति के बेहतरीन नजारों को पेंटिंग और फोटो में देखा जा सकता है। कहीं पेंटिंग के नीचे फोटो तो कही फोटो के नीचे पेंटिंग लगाकर अग्नि, जल, वायु, आकाश और मिट्टी जैसे प्राकृतिक तत्वों की गहराई और उनका अर्थ समझाया गया है। प्रदर्शनी में 60 से अधिक पेंटिंग और फोटो को लगाया गया है। प्रकृति के इन तत्वों की पेंटिंग और फोटो को इस तरह से प्रदर्शित किया गया है कि वे एक-दूसरे के पूरक नजर आते हैं। दोनों को साथ लेकर प्रकृति के तत्वों को जहां नजदीक से समझने का मौका मिल रहा है, वहीं फोटो की गहराई और पेंटिंग में रंगों का अनूठा मिश्रण भी देखने को मिल रहा है।

पेंटिंग और फोटो में कहीं पहाड़, झरने, बर्फ और रेत को दिखाया गया है, तो कहीं आसमान में तारों को देख मस्तिष्क में आकाशगंगा की छवि उभर आती है। इसके अलावा चेहरे के भावों को भी फोटो व पेंटिंग के जरिये उकेरा गया है। रीता झुनझुनवाला ने बताया कि प्रकृति के रंगों को उसके तत्वों के साथ देखने का बेहतर मंच इस प्रदर्शनी के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है। श्रीकांत सोमानी ने बताया कि प्रदर्शनी में लगाई गई फोटो तिब्बत, लद्दाख और नॉर्थ-ईस्ट के विभिन्न क्षेत्रों से ली गई है।

बीकानेर हाउस में 'शून्य ए जर्नी' प्रदर्शनी को देखते कलाप्रेमी। जागरण

छात्रों ने सर्वर ठप किया : जेएनयू प्रशासन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारी छात्रों ने विश्वविद्यालय के सूचना प्रणाली केंद्र पर कब्जा कर सर्वर को ठप कर दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि अगले सेमेस्टर के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को बाधित करने के लिए छात्रों ने यह गंभीर अनुशासनहीनता की है। छात्रों ने अपने साथी छात्रों के शैक्षणिक हितों को नुकसान पहुंचाया।

प्रशासन के मुताबिक शुक्रवार को दोपहर करीब एक बजे छात्रों का एक गुट चेहरों पर मास्क लगाकर सूचना प्रणाली केंद्र के कार्यालय में जबरन घुस गया और बिजली की सप्लाई बंद कर दी। इन छात्रों ने जबरन सभी तकनीकी कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया और सर्वर को खराब कर दिया। इसकी वजह से पूरी पंजीकरण प्रक्रिया में बाधा पहुंची। जेएनयू के रजिस्ट्रार प्रो प्रमोद कुमार ने कहा कि जिन भी छात्रों ने यह कदम उठाया है, उन पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस बाधा के कारण हजारों छात्रों को पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करने में परेशानी हुई। प्रदर्शनकारी छात्रों की इस हरकत से इनकी मंशा साफ जाहिर होती है कि वे विध्वंसक मानसिकता के साथ विश्वविद्यालय में बाधा पैदा करना चाहते हैं।

अस्थायी पंजीकरण का छात्र कर रहे बहिष्कार : जेएनयू प्रशासन ने उन सभी छात्रों को अस्थायी पंजीकरण 1 से 5 जनवरी के दौरान करने का मौका दिया था, जिन्होंने दिसंबर में मानसून सेमेस्टर परीक्षा का बहिष्कार किया था। छात्रावास की फीस वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने अस्थायी पंजीकरण का बहिष्कार किया है। छात्र संघ ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि प्रशासन छात्रों को बताए बिना फैसले कर रहा है। छात्र संघ के महासचिव सतीश चंद्र यादव ने कहा कि छात्र अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। इसी के तहत दिसंबर में परीक्षा का बहिष्कार किया था। जब सेमेस्टर पूरा ही नहीं हुआ है तो किस नियम से प्रशासन ने अस्थायी पंजीकरण का फैसला लिया है।